Self Assessment Model Paper-4 - KEY
9th Class - Hindi

खण्ड क : प्रश्न-1 से प्रश्न 15 तक उत्तर 1X15=15M

प्रश्न	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
जवाब	A	C	B	C	D	A	A	D	B	A	C	C	A	D	B

खण्ड ख : नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए। 2X2=4M

16) 'सुमिरन' शब्द का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए।

सुमिरन = स्मरण, याद करना

वाक्य प्रयोग - हमें हमेशा भगवान की सुमिरन करना चाहिए।

17) रिक्त स्थनों की पूर्ती सही शब्द से कीजिए।

अ) सुनीता विलियम्स <u>अंतरिक्ष यात्री</u> थी। (अंतरिक्ष यात्री / शिक्षा यात्री)

आ) सुनीता विलियम्स पढाई में <u>औसत</u> थी। (श्रेष्ठ / औसत)

खण्ड ग : नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए। **2X4=8M**

18) कबीर की दृष्टि में 'किसी काम को धीरे'धीरे करना।' इसका क्या तात्पर्य है?

जवाब) कबीर जी कहते हैं कि हर काम धीरे-धीरे करना चाहिए। जल्दबाजी से कोई उपयोग नहीं है। माली सौ घड़ों के पानी एक बार डालने पर भी, ऋतु आने पर ही फल मिलते हैं।

19) सुनीता विलियम्स से क्या प्रेरणा मिलती है?

जवाब) सुनीता विलियम्स के जीवन से हमें यह प्रेरणा मिलती है हर व्यक्ति एक लक्ष्य रखकर उसके लिए निरंतर प्रयत्न करना है। सफल होने तक उस प्रयत्न को नहीं छोडना चाहिए।

खण्ड घ : निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए। **8M**

20) A) 'कबीर के दोहे' के भाव अपने शब्दों में लिखिए।

जवाब) कबरी के दोहों में जीवन का गहरा सत्य सरल शब्दों में बताया गया है।

पहला दोहा का भाव है कि मनुष्य दुःख में तो ईश्वर को याद करता है, लेकिन सुख में उसे भूल जाता है। यदि व्यक्ति सुख में भी ईश्वर का स्मरण करे, तो जीवन में दुःख आने की संभावना कम हो जाती है।

दूसरे दोहे धैर्य और संयम का महत्व समझाता है। हर कार्य समय पर ही फल देता है, जैसे माली के अधिक पानी देने से भी फल तुरंत नहीं आते।

तीसरे दोहा संतोष और सादगी का संदेश देता है। कबीरदास ईश्वर से केवल उतना ही मांगने की बात करते हैं, जिससे परिवार का पालन हो सके।

इन दोहों के माध्यम से भक्ति, धैर्य और संतुलित जीवन का आदर्श प्रस्तुत किया गया है।

(या)

'सुनीता विलियम्स" जीवनी के मुख्य बिंदुओं को आठ पंक्तियों में लिखिए।

जवाब)
* सुनीता विलियम्स एक साक्षात्कार पाठ है।
* सुनीता पढ़ाई में औसत थी।
* उनकी पढ़ाई बॉस्टन, हार्वर्ड और केंब्रिज क्षेत्रों में हुआ था।
* स्नातक के बाद हेलिकाप्र पायलेट की भी शिक्षण भी ली।
* जब सुनीता की मुलाकात टेस्ट स्कूल में जान यंग से हुई।
* उनकी प्रेरणा से सुनीता अंतरिक्ष यात्री बन गयी थी।
* सुनीता विलियम्स के जीवन से हमें यह संदेह मिलता है कि हर व्यक्ति एक लक्ष्य रखकर उसके लिए निरंतर प्रयत्न करना है। सफल होने तक उस प्रयत्न को नहीं छोड़ना चाहिए।

Prepared By
School Assistant (Hindi)
Date:

Signature of the Gazetted Head Master